शिक्षा बोर्ड के प्रतिनिधिमंडल ने सीखी सर्वोत्तम कार्यप्रणाली

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन व विद्यार्थियों के समग्र एवं दक्षता आधारित मूल्यांकन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शिक्षा बोर्ड के प्रतिनिधिमंडल ने स्कूल आफ अचीवर्स गांधीनगर (गुजरात) में दो दिवसीय इंटर बोर्ड लर्निंग एक्सपीरियंस आन डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड अंडर एनईपी-2020 कार्यक्रम में सहभागिता की।

राजेश शर्मा • जागरण आर्काइव

प्रतिनिधिमंडल में डा. अंबिका जोशी अतिरिक्त सचिव, विपन कुमार सहायक सचिव तथा डिम्पल कंवर शैक्षणिक अधिकारी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने देश के विभिन्न शिक्षा बोर्ड की ओर से विकसित डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड, दक्षता आधारित मूल्यांकन, डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली, शिक्षक क्षमता निर्माण तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित नवाचारों एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का अध्ययन किया। साथ ही अनुभव साझा करते हुए एक-दूसरे की पहल व नवाचारों से सीखने का अवसर प्राप्त किया।

डा. राजेश शर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम से प्राप्त अनुभव एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणाली का उपयोग हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से राज्य में डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड एवं आधुनिक डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन में किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को विद्यार्थियों की प्रगति का अधिक पारदर्शी, व्यापक एवं विश्वसनीय मूल्यांकन उपलब्ध होगा। राजेश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय शिक्षण-अनुभव कार्यक्रम शिक्षा बोर्डों के बीच ज्ञान, नवाचार एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच प्रदान करते हैं।

DAINIK JAGRAN:03-08-2026

पंजाब केसरी
MON,03 AUGUST 2026
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 3

गुजरात में बोर्ड के प्रतिनिधिमंडल ने सीखे डिजिटल मूल्यांकन के गुर

धर्मशाला, 2 अगस्त(ब्यूरो) : हिमाचलप्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के प्रतिनिधिमंडल ने गांधीनगर के स्कूल ऑफ अचीवर्स में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लेकर विभिन्न शिक्षा बोर्डों की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और नवाचारों का अध्ययन किया । इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान बोर्ड के अधिकारियों ने देश के अन्य शिक्षा बोर्डों द्वारा तैयार किए गए डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रैस कार्ड, दक्षताधारित मूल्यांकन, डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली और शिक्षकों की क्षमता निर्माण से जुड़ी आधुनिक तकनीकों का बारीकी से अध्ययन किया। साथ ही विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ अपने अनुभव भी सांझा किए। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रैस कार्ड केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह विद्यार्थियों के 360 डिग्री समग्र विकास का आकलन करने की एक बेहद प्रभावी व्यवस्था है। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि इस राष्ट्रीय मंच से मिले अनुभवों और बेहतरीन मॉडलों का उपयोग जल्द ही हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रैस कार्ड लागू करने में किया जाएगा। गुजरात में आयोजित इस राष्ट्रीय शिक्षण-अनुभव कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से अतिरिक्त सचिव डॉ. अंबिका जोशी, सहायक सचिव विपन कुमार और शैक्षणिक अधिकारी डिम्पल कंवर शामिल रहे।

AMAR UJALA :03-08-2026

अंकों से आगे निकलेगा मूल्यांकन, हुनर तक पहुंचेगा आकलन

स्कूल शिक्षा बोर्ड की पढ़ाई के साथ विचार, कौशल, जीवन मूल्यों और खेल में प्रदर्शन के आधार पर परख की तैयारी

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों के मूल्यांकन की तस्वीर बदलने की तैयारी में है। अब परीक्षा में मिले अंक ही विद्यार्थी की प्रतिभा और प्रगति का पैमाना नहीं होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बोर्ड मूल्यांकन को व्यापक बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड के माध्यम से विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ उनके विचार, कौशल, रचनात्मकता, जीवन मूल्यों और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी का भी आकलन किया जाएगा।

नई मूल्यांकन व्यवस्था को समझने के लिए शिक्षा बोर्ड के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात में आयोजित दो दिवसीय इंटर बोर्ड लर्निंग एक्सपीरियंस ऑन डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड कार्यक्रम में भाग लिया।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में अतिरिक्त सचिव डॉ. अंबिका जोशी, सहायक सचिव विपन कुमार और शैक्षणिक अधिकारी डिंपल कंवर शामिल रहे। कार्यक्रम में डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली, दक्षता आधारित मूल्यांकन और शिक्षकों के क्षमता निर्माण से जुड़े नवाचारों पर चर्चा हुई। यहां मिले अनुभवों का डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड बनाने में उपयोग किया जाएगा।

इन तीन पहलुओं पर होगा विद्यार्थियों का आकलन

- **शैक्षणिक उपलब्धियां :** विषय आधारित ज्ञान और समझ को विद्यार्थी के मूल्यांकन का हिस्सा बनाया जाएगा।
- **विचार और कौशल :** बच्चों के आलोचनात्मक चिंतन, संवाद क्षमता और जीवन कौशल का आकलन होगा।
- **नैतिक मूल्य, खेल :** नैतिक मूल्यों, सह पाठ्यक्रम गतिविधियों और खेल में प्रदर्शन को परखा जाएगा।

पारदर्शी बनेगी प्रणाली : राष्ट्रीय कार्यक्रम से मिले अनुभवों का उपयोग प्रदेश के स्कूलों में डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड लागू करने के लिए होगा। इससे मूल्यांकन व्यवस्था पारदर्शी, विश्वसनीय और तकनीक-सक्षम बनेगी। इसका विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को लाभ होगा।

छात्रों के बनेंगे होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड

स्टाफ रिपोर्टर – धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के स्कूल छात्रों के वर्ष भर के लेखा-जोखा के आधार पर डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड (एचपीसी) बनाए जाएंगे। इसके लिए प्रदेश के दर्जनों स्कूलों में इसी शैक्षणिक सत्र में ट्रायल भी शुरू कर दिया गया है। डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के 360 डिग्री समग्र विकास का आकलन करने की प्रभावी व्यवस्था है। इसके माध्यम से शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ कौशल, रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, संचार क्षमता, जीवन कौशल, नैतिक मूल्यों तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में विद्यार्थियों की प्रगति का भी मूल्यांकन किया जाता है। इससे सीखने की वास्तविक प्रगति का अधिक सटीक और व्यापक आकलन संभव हो सकेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) के प्रभावी क्रियान्वयन और विद्यार्थियों के समग्र एवं दक्षताधारित मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात के गांधीनगर स्थित स्कूल ऑफ अचीवर्स में आयोजित दो दिवसीय डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड

विषयक राष्ट्रीय शिक्षण-अनुभव कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के शिक्षा बोर्डों की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का अध्ययन करने के साथ-साथ अनुभवों का आदान-प्रदान भी किया गया। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में अतिरिक्त सचिव डा. अंबिका जोशी, सहायक सचिव विपन कुमार तथा शैक्षणिक अधिकारी डिम्पल कंवर शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड, दक्षताधारित मूल्यांकन, डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली, शिक्षक क्षमता

- राष्ट्रीय कार्यशाला में शिक्षा बोर्ड ने साझा किए अनुभव

निर्माण तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े नवाचारों का अध्ययन किया। साथ ही विभिन्न शिक्षा बोर्डों के प्रतिनिधियों के साथ अनुभव साझा कर सफल पहलों से सीखने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कार्यक्रम से प्राप्त अनुभवों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का उपयोग हिमाचल प्रदेश में डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड तथा आधुनिक डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन में किया जाएगा।

epaper.divyahimachal.com
दिव्य हिमाचल Divya Himachal Dharamsala+ Mera Kangra +Aastha
Mon, 03 August 2026

डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में शिक्षा बोर्ड ने साझा किए अनुभव

हिमाचल दस्तक। धर्मशाला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन और विद्यार्थियों के समग्र एवं दक्षताधारित मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत बनाने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात के गांधीनगर स्थित स्कूल ऑफ अचीवर्स में आयोजित दो दिवसीय इंटर बोर्ड लर्निंग एक्सपीरियंस ऑन डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड कार्यक्रम में भाग लिया। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में अतिरिक्त सचिव डॉ. अंबिका जोशी, सहायक सचिव विपन कुमार तथा शैक्षणिक अधिकारी डिंपल कंवर शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राज्यों के शिक्षा बोर्डों द्वारा विकसित डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड, दक्षताधारित मूल्यांकन, डिजिटल असेसमेंट सिस्टम, शिक्षक क्षमता निर्माण तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े नवाचारों और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का अध्ययन किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने अन्य शिक्षा बोर्डों के साथ अपने अनुभव भी साझा किए। डॉ. शर्मा ने कहा कि डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के 360 डिग्री समग्र विकास का आकलन करने की प्रभावी व्यवस्था है।

इसके माध्यम से शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ कौशल, रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, संचार क्षमता, जीवन कौशल, नैतिक मूल्यों और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में विद्यार्थियों की प्रगति का भी व्यापक मूल्यांकन किया जाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यक्रम से प्राप्त अनुभवों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का उपयोग हिमाचल प्रदेश में डिजिटल होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड और आधुनिक डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन में किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को अधिक पारदर्शी, व्यापक और विश्वसनीय मूल्यांकन प्रणाली का लाभ मिलेगा तथा विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता को और मजबूती मिलेगी। डॉ. राजेश शर्मा ने विश्वास जताया कि ऐसे राष्ट्रीय शिक्षण-अनुभव कार्यक्रम शिक्षा बोर्डों के बीच ज्ञान, नवाचार और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच साबित होते हैं।

HPBOSE Delegation Shares Insights at National Learning-Experience Program on Digital Holistic Progress Card

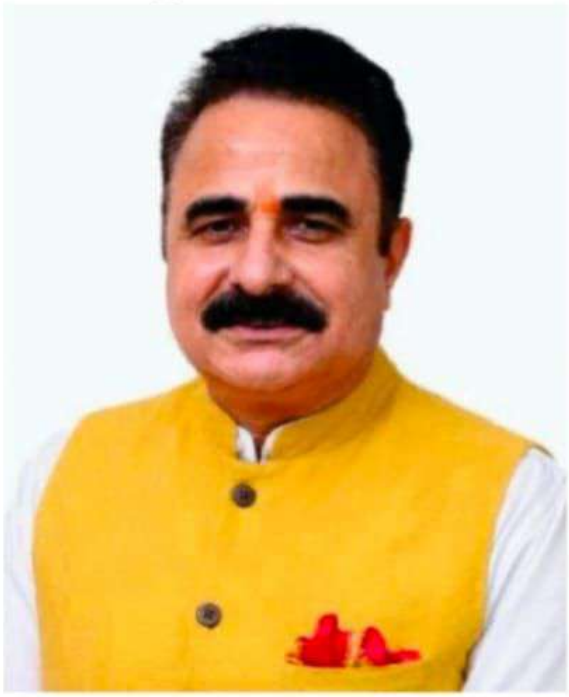

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA AUG 2 : Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE), stated that a delegation from the Board participated in a two-day program titled "Inter Board Learning Experience on Digital Holistic Progress Card under NEP-2020," held at the School of Achievers in Gandhinagar, Gujarat. The participation aimed to facilitate the effective implementation of the National Education Policy-2020 (NEP-2020) and to strengthen the system for the holistic and competency-based assessment of students. He mentioned that the delegation comprised Dr. Ambika Joshi (Additional Secretary), Shri Vipan Kumar (Assistant Secretary), and Smt. Dimpal Kanwar (Academic Officer). During the program, the delegation studied innovations and best practices related to digital holistic progress cards, competency-based assessment, digital evaluation systems, teacher capacity building, and the effective implementation of NEP-2020, as developed by various education boards across the country. They also shared experiences with representatives from other boards and gained opportunities to learn from each other's successful initiatives and innovations. Dr. Rajesh Sharma remarked that the digital holistic progress card is an effective mechanism for assessing not merely examination results but the 360-degree holistic development of students. It enables a comprehensive evaluation of progress in areas such as skills, creativity, critical thinking, communication abilities, life skills, ethical values, and co-curricular activities, alongside academic achievements. This facilitates a more accurate and extensive assessment of the students' actual learning progress. He added that the insights and best practices gained from this national program would be utilized by HPBOSE to effectively implement digital holistic progress cards and modern digital assessment systems within the state. This will provide students, parents, and teachers with a more transparent, comprehensive, and reliable assessment of student progress, thereby helping to further strengthen the quality of school education. Dr. Rajesh Sharma stated that such national educational exchange programs provide an effective platform for the sharing of knowledge, innovation, and best practices among education boards. He expressed confidence that the insights gained from the program would play a significant role in the effective implementation of the objectives of the National Education Policy-2020 in Himachal Pradesh and in further strengthening the student-centric, holistic, and technology-enabled assessment system.